अवैध रेत परिवहन में संलिप्त वाहनों पर करें कार्रवाई

परिवहन आयुक्त ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 3 जून। परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में संचालित प्रवर्तन गतिविधियों एवं अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा, पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा सहित वन, खनिज एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान परिवहन आयुक्त ने चंबल क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध रेत परिवहन में संलिप्त वाहनों को तत्काल जब्त किया जाए तथा बिना नंबर प्लेट संचालित वाहनों को पुलिस अभिरक्षा में रखकर वाहन मालिकों एवं चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

परिवहन आयुक्त ने निर्देश दिए कि खनिज परिवहन एवं चंबल रेत से जुड़े सभी वाहनों की नियमित और सघन जांच की जाए। आवश्यकता पड़ने पर ऐसे वाहनों में जीपीएस प्रणाली स्थापित कर उनकी गतिविधियों की निगरानी भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त किसी भी वाहन को किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ा जाएगा तथा संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर लगातार कार्रवाई करें।

जिले में बनाए गए हैं चेकिंग पॉइंट: बैठक में कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि जिले में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। इसकी सतत समीक्षा के साथ-साथ आकस्मिक निरीक्षण भी किए जा रहे हैं। निगरानी एवं जांच के लिए विभिन्न स्थानों पर चेकिंग पॉइंट स्थापित किए गए हैं, जहां लगातार वाहनों की जांच की जा रही है।

अवैध रेत भंडारण पर भी होगी कार्रवाई: परिवहन आयुक्त ने निर्देशित किया कि जिले में कहीं भी अवैध रेत भंडारण पाए जाने पर उसे तत्काल हटाकर विनष्टीकरण की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शासन अवैध खनिज परिवहन एवं चंबल रेत के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

बिना परमिट बसों पर भी रहेगा शिकंजा: बैठक में यात्री बस सेवाओं की समीक्षा करते हुए श्री जोगा ने निर्देश दिए कि जिले में बिना परमिट कोई भी बस संचालित नहीं होनी चाहिए। इसके लिए समय-समय पर विशेष जांच अभियान चलाकर बसों के परमिट, फिटनेस एवं अन्य दस्तावेजों की जांच सुनिश्चित की जाए।

पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा ने अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई में पुलिस विभाग की ओर से पूर्ण सहयोग एवं आवश्यक बल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। परिवहन आयुक्त ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर शासन की ओर से अतिरिक्त संसाधन एवं स्टाफ भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

कार में 84 लीटर अवैध शराब जब्त, एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

भिण्ड, 3 जून। पुलिस अधीक्षक सूरज वर्मा एवं एसडीओपी लहार प्रवीण त्रिपाठी के निर्देशन में अवैध शराब, जुआ एवं सट्टा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रौन थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 84 लीटर अवैध शराब और एक कार जब्त की है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया।

थाना प्रभारी रौन निरीक्षक राजवीर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 3 जून की रात महुआ बाग कस्बा रौन क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान टोयोटा ग्लैंजा कार क्रमांक एमपी 04 ईसी 2817 को संदेह के आधार पर घेराबंदी कर रोका गया। पुलिस कार्रवाई के दौरान कार में सवार एक व्यक्ति मौके से भाग निकला, जबकि आकाश कुशवाह पिता लालाराम कुशवाह निवासी शास्त्री नगर, भिण्ड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस को कार से कुल 9 पेटी अवैध शराब मिली। बरामद शराब में 3 पेटी प्लेन देशी शराब, 5 पेटी लाल मसाला शराब एवं 1 पेटी हंटर बीयर शामिल है। कुल 84 लीटर शराब की अनुमानित कीमत 39 हजार 100 रुपए बताई गई है।

सीईओ ने डीडी और भौनपुरा का किया औचक निरीक्षण

निर्माण कार्यों, 'मां की बगिया' एवं ई-केवाईसी प्रगति का लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 3 जून। जिला पंचायत सीईओ वीर सिंह चौहान ने बुधवार को ग्राम पंचायत डीडी एवं भौनपुरा का औचक निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान भिंड जनपद पंचायत पंचायत सीईओ शालू दौहरे सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ चौहान ने ग्राम पंचायतों में संचालित सामुदायिक भवन निर्माण कार्य एवं नालियों के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्री, कार्य की गुणवत्ता तथा प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

श्री चौहान ने ग्राम पंचायतों में विकसित की गई 'मां की बगिया' का भी निरीक्षण किया और उसके रखरखाव, पौधों की सुरक्षा तथा स्वच्छता व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को सफल बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने समग्र ई-केवाईसी, गर्भवती महिलाओं की ई-केवाईसी तथा श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत पंजीयन कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों का डेटा समय पर अपडेट किया जाए तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

राम-सीता विवाह प्रसंग सुन झूमे श्रद्धालु

भिण्ड, 3 जून। शहर के बैरागपुरा स्थित कंकाली माता मंदिर में चल रही संगीतमय श्रीराम कथा के दौरान राम-सीता विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा व्यास परम पूज्य स्वामी आशीषानंद महाराज ने जैसे ही भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह का प्रसंग सुनाना प्रारंभ किया, पूरा कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण में डूब गया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और पूरा परिसर 'सियावर रामचंद्र की जय' के जयघोषों से गूंज उठा। कथा व्यास ने बताया कि मिथिला नरेश राजा जनक ने प्रतिज्ञा की थी कि जो शिव धनुष को उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी के साथ माता सीता का विवाह किया जाएगा। स्वयंवर में देश-विदेश के अनेक राजा एवं वीर योद्धा पहुंचे, लेकिन कोई भी शिव धनुष को हिला तक नहीं सका। तत्पश्चात गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से भगवान श्रीराम रंगभूमि में पहुंचे और सहज भाव से शिव धनुष को उठाकर जैसे ही प्रत्यंचा चढ़ाने लगे, धनुष मध्य से टूट गया। धनुष टूटने की गूंज से समस्त दिशाएं गुंजायमान हो उठीं और देवताओं ने आकाश से पुष्पवर्षा कर भगवान का अभिनंदन किया। धनुष भंग के बाद राजा जनक ने अयोध्या संदेश भेजा। महाराज दशरथ गुरु वशिष्ठ, भरत, शत्रुघ्न एवं विशाल बारात के साथ मिथिला पहुंचे। जनकपुर नगरी को दुल्हन की भांति सजाया गया था। नगर में बंदनवार, दीपमालाएं और मंगल गीतों की गूंज से उत्सव का वातावरण बना हुआ था। कथा के दौरान बताया गया कि विवाह मंडप में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्रीराम का विवाह माता सीता से, भरत का मांडवी से, लक्ष्मण का उर्मिला से तथा शत्रुघ्न का श्रुतकीर्ति से संपन्न हुआ। गुरु वशिष्ठ ने वैदिक विधि-विधान के साथ विवाह संस्कार संपन्न कराया।

शिविर में खिलाड़ियों को नशामुक्त जीवन का दिया संदेश

भिण्ड, 3 जून। म.प्र. खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा एवं पुलिस अधीक्षक सूरज वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह-2026' के 30वें दिन खिलाड़ियों को नशामुक्त जीवन एवं सकारात्मक व्यक्तित्व निर्माण का संदेश दिया गया। शिविर में किशोरी स्पोर्ट्स क्लब की संचालक, प्रशिक्षक एवं प्रेरक तथा मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षक सत्या तोमर विशेष रूप से उपस्थित हुईं। उन्होंने शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों से परिचय प्राप्त किया तथा युवाओं को नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। सत्या तोमर ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू, गुटखा और शराब जैसे मादक पदार्थों से दूर रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल का अत्यधिक उपयोग, झूठ बोलने की आदत तथा अभद्र भाषा और व्यवहार भी एक प्रकार का नशा बन चुके हैं, जिनसे युवाओं को बचना चाहिए।

जिला अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 3 जून। विश्व क्लब फुट दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल भिंड में एक विशेष जागरूकता एवं सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से अनुष्का फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जन्मजात पैर के टेढ़ेपन (क्लब फुट) से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर उच्च स्तरीय एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना रहा।

कार्यक्रम में जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. निखिल अग्रवाल एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को क्लब फुट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लब फुट कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। यदि जन्म के बाद समय रहते उपचार शुरू कर दिया जाए तो बच्चा पूरी तरह सामान्य जीवन जी सकता है और सामान्य रूप से चल-फिर सकता है। डॉक्टरों ने बताया कि जिला अस्पताल के डीईआईसी (डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर) में प्रत्येक बुधवार को विशेष 'क्लब फुट डे क्लिनिक' संचालित किया जाता है, जहां बच्चों का संपूर्ण उपचार निःशुल्क किया जाता है।

आरबीएसके टीम कर रही बच्चों की पहचान: डीईआईसी मैनेजर वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रसव केंद्रों पर जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयोजित आरबीएसके शिविरों के माध्यम से क्लब फुट से प्रभावित बच्चों की पहचान कर रही है। चिन्हित बच्चों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल स्थित डीईआईसी सेंटर भेजा जाता है। उन्होंने बताया कि उपचार के बाद बच्चों के पैरों को सही स्थिति में बनाए रखने के लिए विशेष प्रकार के कैलीपर्स एवं जूतों की आवश्यकता होती है, जिससे उपचार का लाभ स्थायी रूप से बना रहे।

बच्चों को निःशुल्क वितरित किए गए विशेष जूते: कार्यक्रम के दौरान अनुष्का फाउंडेशन द्वारा क्लब फुट से उपचार प्राप्त कर रहे बच्चों को विशेष प्रकार के जूते (स्पेशल शूज) निःशुल्क वितरित किए गए। इन जूतों का उपयोग बच्चों के पैरों को सही आकार और स्थिति में बनाए रखने के लिए किया जाता है।

इस अवसर पर अनुष्का फाउंडेशन के जिला प्रतिनिधि अरविंद राठौर सहित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की पूरी टीम, चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्लब फुट के प्रति जागरूकता बढ़ाने और प्रभावित बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया।

हत्या के प्रयास के दो आरोपी गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त कट्टा बरामद, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 3 जून। शहर में दिनदहाड़े कार सवार युवक पर फायरिंग कर हत्या के प्रयास के मामले में देहात थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का एक कट्टा बरामद किया है। वहीं अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

टीआई शिवप्रताप सिंह राजावत ने बताया कि 31 मई 2026 को अशोक नगर निवासी अजीत भदौरिया ने थाना देहात में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह दोपहर करीब डेढ़ बजे अपनी औरा कार से रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तीन मोटरसाइकिलों पर सवार छह हमलावरों ने उनका पीछा कर कट्टा एवं पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर जानलेवा हमला किया। फरियादी ने किसी तरह वाहन दौड़ाकर अपनी जान बचाई। फरियादी की शिकायत पर थाना देहात में हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक तथा नगर पुलिस अधीक्षक निरंजन सिंह राजपूत के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई।

खुफिया तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: टीआई शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में गठित टीम ने सक्रियता दिखाते हुए अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय किया और आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आईटीआई रोड क्षेत्र में दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का एक देशी कट्टा भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

अधिकारी से मारपीट का मामला दर्ज

रौन कार्यालय में शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप

भिण्ड, 3 जून। महिला एवं बाल विकास विभाग के रौन कार्यालय में प्रभारी परियोजना अधिकारी के साथ कथित मारपीट एवं शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला सामने आया है। थाना रौन पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार फरियादी रजनी शर्मा, प्रभारी परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग रौन ने थाना रौन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि 2 जून 2026 को महिला एवं बाल विकास कार्यालय रौन में उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया तथा मारपीट कर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई गई।

दो अधिकारियों पर लगाए आरोप: शिकायत के अनुसार आशुतोष शर्मा, जो अटेर में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के पद पर पदस्थ हैं, तथा गिरीश शर्मा, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मेहगांव को इस मामले में आरोपी बनाया गया है। फरियादी का आरोप है कि दोनों ने कार्यालय में विवाद करते हुए उनके साथ मारपीट की। घटना के बाद रजनी शर्मा ने थाना रौन पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई प्रारंभ की।

रौन पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353, 332 एवं 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

विभाग में बनी चर्चा का विषय: घटना के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारियों के बीच मामले को लेकर चर्चा का माहौल है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस ने शुरू किया सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान

युवाओं को संगठन एवं सोशल मीडिया से जोड़ने की पहल

नवभारत न्यूज

भिण्ड, 3 जून। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया 'पिंकी' ने बुधवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा युवाओं को संगठन एवं सोशल मीडिया से जोड़ने के उद्देश्य से 'सोशल मीडिया वॉरियर्स : प्रतिभा एक खोज' अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके तहत कांग्रेस की प्रदेश स्तरीय वेबसाइट पर इच्छुक युवा ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

धर्मेंद्र भदौरिया ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े शिक्षित एवं प्रतिभाशाली युवाओं को संगठन में अवसर प्रदान करने के लिए यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। अभियान का उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों और सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत 31 मई से 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके बाद 15 से 19 जून तक प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी की जाएगी। चयन प्रक्रिया के अगले चरण में 20 से 23 जून के बीच जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय में आवेदकों के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। इसके पश्चात 24 से 28 जून तक अंतिम स्क्रूटनी की जाएगी और 30 जून को चयनित प्रतिभागियों के परिणाम घोषित किए जाएंगे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह अभियान युवाओं को अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और संगठनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा। चयनित युवाओं को पार्टी के सोशल मीडिया अभियानों एवं जनसंपर्क गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा।

प्रेस वार्ता में प्रदेश महासचिव एवं भिंड वॉरियर्स मीडिया प्रभारी अनिल परमार, नगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, सोशल मीडिया विभाग के शहर अध्यक्ष शिवशंकर भदौरिया, हलीम पठान, शिवा राजावत, गोपाल कुशवाह, हर्ष शर्मा, बृजेंद्र सिंह भदौरिया, रेखा भदौरिया सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टेवा एपीआई मालनपुर में हुआ वृक्षारोपण

मालनपुर, 3 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर टेवा एपीआई इंडिया लिमिटेड मालनपुर इकाई में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ग्वालियर के क्षेत्रीय अधिकारी डी.वी.एस. जाटव के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस दौरान कंपनी परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। श्री जाटव ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उद्योगों की जिम्मेदारी है कि वे विकास के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सक्रिय योगदान दें। टेवा एपीआई के प्रबंधन एवं कर्मचारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीगण, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे, सभी ने मिलकर पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और ग्रीन कवर में वृद्धि करना है।

एक कुशल, प्रेरित एवं समर्पित कार्यबल ही संस्था की सफलता का आधार : सूर्या

नवभारत न्यूज

मालनपुर, 3 जून। सूर्या रोशनी लिमि. द्वारा अपने उत्पादों एवं विनिर्माण प्रक्रियाओं में पर्यावरण-अनुकूल परिवर्तन अपनाकर कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाने का सतत प्रयास किया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण के साथ-साथ समाज एवं पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करना ही सूर्या रोशनी को देश की अन्य कंपनियों से विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

कंपनी द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वर्षा जल संचयन पिटों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए किसानों को जैविक एवं उन्नत बीज उपलब्ध कराए जाते हैं। किसानों की आय बढ़ाने एवं उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से तकनीकी कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ग्रामीण युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण शिविर लगाए जाते हैं। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु स्वयं सहायता समूह गठित किए गए हैं, जिनके माध्यम से महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई तथा विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। साथ ही उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार एवं ग्राहकों तक पहुँचाने में भी सहयोग दिया जाता है।

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार हेतु देशभर में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिससे लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को प्रोत्साहित करना भी सूर्या रोशनी लिमिटेड की सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऊर्जा संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनी अपने विभिन्न परिसरों में सौर ऊर्जा प्रणालियाँ स्थापित कर रही है जिससे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सके तथा स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिले। सूर्या रोशनी लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर, विनय सूर्या के अनुसार, किसी भी कॉर्पोरेट संस्थान की वास्तविक सफलता केवल उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि एक कुशल, प्रेरित एवं समर्पित कार्यबल भी उसकी सफलता का आधार होता है।

इसी दृष्टिकोण से कंपनी कर्मचारियों के विकास एवं कल्याण के लिए समय-समय पर अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है तथा प्रभावी मानव संसाधन नीतियों के माध्यम से उनकी सहभागिता सुनिश्चित करती है। कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी एवं सतत विकास की संस्कृति ही संस्थान को वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करती है। इस प्रकार, सूर्या रोशनी लिमिटेड पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक विकास, ऊर्जा संरक्षण एवं मानव संसाधन विकास के माध्यम से सतत एवं समावेशी विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

डेफ्ट कैमिकल कंपनी ने वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मालनपुर, 3 जून। औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर की डेफ्ट कैमिकल कंपनी पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बन रही है। कंपनी लगातार वृक्षारोपण अभियान चला रही है। परिसर और आसपास लगाए गए सैकड़ों पौधे अब हरियाली में बदल रहे हैं। कंपनी ने साबित किया है कि उद्योग सिर्फ उत्पादन नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं। वृक्षारोपण कार्यक्रमों में अधिकारी-कर्मचारी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। पौधों की नियमित देखभाल की व्यवस्था भी की गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहल दूसरी औद्योगिक इकाइयों के लिए प्रेरणा है। पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक वृक्षारोपण से वायु प्रदूषण कम होता है और जैव विविधता बनी रहती है। कंपनी प्रबंधन के अनुसार स्वच्छ पर्यावरण अगली पीढ़ी की सबसे बड़ी धरोहर है। इसलिए वृक्षारोपण को सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनाया गया है। सामाजिक संगठनों ने भी कंपनी की इस पहल को सराहा है। डेफ्ट कैमिकल कंपनी का यह कदम विकास और प्रकृति के बीच संतुलन का संदेश देता है।